

साहित्य

डॉ, खूबचन्द बघेल-मेरी सृति में

■ डॉ. सत्यभामा आडिल

खुबचन्द बघेल को स्मरण करना यानी एक ऊजावन व्यक्तित्व, जो कभी थके नहीं, ऐसे व्यक्तित्व स्परण करना है।

19 जुलाई 1900 को जर्मने व 22 फरवरी 1969 को, 69 वर्ष की आयु में, दिवंगत हो गए। छत्तीसगढ़ के स्वपनद्रास के रूप में वे याद किये जाते हैं, वाद किये जाते रहे हैं। बचपन में मैंने उन्हें समाज सुधारक के रूप में जाना था। वह भी सुनौं में आया कि उन्होंने अपनी तीनों बेटियों की शादी कुर्मा समाज के अन्य फिरकों में की थी, फलस्वरूप वर्षों तक वे मनवा कुर्मा समाज से बहिर्भूत किये गए थे सामाजिक आवाज की पीढ़ी अवधिक दुखदायी होती है, पर डॉ, बघेल ने बहुत हम्मत के साथ सामाजिक काम किया। न कुंगा, न निराशा, न शिकायत, उल्लास समाज के लोगों के कुंद दिमाग के कपाट खोलते गए। कृष्ण वर्षों बाद

एक दिन ऐसा समय आया जब समाज ने उन्हें शामिल कर लिया।

अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय समाज को जोड़ने का महलपूर्ण कार्य किया रखें ही समय 1966 वर्ष के अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महाविवेशन में, मैं उनके निकट सम्पर्क में आई उसी समय दूरे दिन महाराष्ट्र कुर्मी समाज का राज्यस्तरीय सम्मेलन भी हुआ।

सन्तु तुकड़ों जीमहारा, स्वामी आत्मानन्दजी, बुजलाल वर्माजी, केंद्रीय योजना मंत्री अशोक महेता, महामंत्री बाबू गुणसाथ सिंह सम्मिलित थे। अध्यक्ष बाबू लक्षण चन्द्र सिंह जी थे, जो वर्षों तक कुर्मी क्षत्रिय जगण मासिक परिवाका निकालते रहे। रायपुर का महाधिवेशन ऐतिहासिक था। डॉ. बघेल का प्रभाव अद्भुत व अविस्मरणीय रहा। डॉ, बघेल को इससे पूर्व मैंने सनां 1960 दिसंबर में देखा था।

रायपुर में अखिल भारतीय कांग्रेस के महाधिवेशन में पण्डित जवाहरलाल नेहरू, गोविन्दललभ पंत, सुचेता कृपलानी, वैगृह शीर्षसंघ राजनेता आये हुए थे।

इंजीनियरिंग कालेज की नई बिल्डिंग में कांग्रेस सेवादल के स्वयंसेवकों का शिविर लगा था पण्डित नेहरू के साथ राजनेताओं का जुलूस कांग्रेस भवन से तात्पारा चौक होते हुए आजाद चौक की ओर बढ़ा।

नेहरूजी खुला गाढ़ी में खड़े थे जैसे ही जुलूस कुर्मी बोर्डिंग के पास पहुंचा, वैसे ही नेहरूजी ने हाथ हिलाकर आवाज लगाई—‘डॉ, बघेल जय हिंद’।

दोनों हाथ जुड़े थे। लोगों ने देखा—‘कुर्मी बोर्डिंग के दरवाजे के सामने डॉ, बघेल, दोनों हाथ ऊपर की ओर नमस्कार की मुद्रा में रखे खड़े थे।

लोगों में आश्चर्य से देखा। मैं विद्यार्थी वर्ष में, लड़कियों के जये में, कांग्रेस सेवादल के समूह में चल रही थी।

मैं भी पलटकर दोनों को एक दूसरे से जयहिंद करते, हाथ हिलाते देखा। मुझे गर्व हुआ कि डॉ, बघेल को नेहरूजी पहचानते थे। जयहिंद की पहल नेहरूजी में ही की थी।

उस घटना के बाद मैंने सनां 1966 में नागारुपर में देखा, उनका स्थेन ग्रास किया। तीसरी बार 6 सितम्बर 1968 को, वे सुबह सुबह सोहोर (भोपाल) में मैंने निवास पर आए।

मेरे पति की पोस्टिंग सीहोर के कृषि महाविद्यालय में थी। डॉ. बघेल मानों में अभिभावक थे। मेरे पति निवास पर आये थे मैं रायपुर से गई थीं—सम्पादित ग्रुप के साथ। मेरा दायित्व यह गुप्त निधि रहा था—डॉ, बघेल, बुजलाल वर्मा, स्वामी आत्मानन्दजी, तरसर वाले भुजबल जी जो बाद में संयासी हो गए थे।

सन्तु तुकड़ों जी भोज के बाद, मुझसे बोले—‘सत्या बेटी, तुम आमचा महाराष्ट्र में रुक जाओ विधानसभा में उपस्थित थीं। तुमको टिकिट मिलेगी। उम्मीदा भाषण सुनकर, तुम्हारी वक्तव्य शीली मुझको बहुत अच्छी लगी।’

मैं चुप थीं। डॉ, बघेल ने तत्काल प्रतिवाद किया—‘नहीं महाराज, इसे राजनीति में आना होगा, तो मध्यप्रदेश के छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ेगी। हमारी बेटी हमारे घर से चुनाव लड़ेगी। अभी तो यह सिर्फ 22 साल की है।

स्व. बुजलाल वर्मा और भुजबल जी ने भी यही कहा! स्वामी आत्मानन्दजी

मुस्कुराते हुए बोले—‘महाराज, देखिए, इसकी गोद में 3

माह का बेटा है। पहले

यह मां का दायित्व

निभाएगी। राजनीति

बाद की बात है।’

डॉ, बघेल ने

हाथी भ्रूते हुए

कहा—‘सही बात है

महाराज।’ डॉ, बघेल

ने मेरे गोद से बेटे

को लेकर महाराज की

गोद में दिया। महाराज ने

दोनों हाथों में मेरे नहे शिशु

को लिया और पुकारते

हुए, आशीष दिया। उनके कर्मरें में बिलु

भगवान के विभिन्न रूपों की अनेक मूर्तियां क्रम से

विराजमान थीं।

मेरी गोद में डाला।

डॉ, बघेल ने मेरे कंधे को थपथपाते हुए कहा—‘बच्चे को महाराज और भगवान दोनों का आशीष मिल गया।’

मेरे मातृत्व सुख का झोला भर गया!

मेरा पहला सामाजिक सम्मेलन का अनुभव

अद्भुत व अविस्मरणीय रहा। डॉ, बघेल को इससे पूर्व मैंने सनां 1960 दिसंबर में देखा था।

रायपुर में अखिल भारतीय कांग्रेस के महाधिवेशन में पण्डित जवाहरलाल नेहरू, गोविन्दललभ पंत, सुचेता कृपलानी, वैगृह शीर्षसंघ राजनेता आये हुए थे।

इंजीनियरिंग कालेज की नई बिल्डिंग में कांग्रेस सेवादल के स्वयंसेवकों का शिविर लगा था। पण्डित नेहरू के साथ राजनेताओं का जुलूस कांग्रेस भवन से तात्पारा चौक होते हुए आजाद चौक की ओर बढ़ा।

नेहरूजी खुला गाढ़ी में खड़े थे जैसे ही जुलूस कुर्मी बोर्डिंग के पास पहुंचा, वैसे ही नेहरूजी ने हाथ हिलाकर जय हिंद।

दोनों हाथ जुड़े थे। लोगों ने देखा—‘डॉ-

बोले—‘कुर्मी बोर्डिंग के जाये होंगे।

कृष्ण वर्षों तक आपने क्या किया?

मैं नहीं जानता।

डॉ, बघेल को इससे पूर्व मैंने सनां 1960 दिसंबर में देखा था।

रायपुर में अखिल भारतीय कांग्रेस के महाधिवेशन में पण्डित जवाहरलाल नेहरू, गोविन्दललभ पंत, सुचेता कृपलानी, वैगृह शीर्षसंघ राजनेता आये हुए थे।

इंजीनियरिंग कालेज की नई बिल्डिंग में कांग्रेस सेवादल के स्वयंसेवकों का शिविर लगा था। पण्डित नेहरू के साथ राजनेताओं का जुलूस कांग्रेस भवन से तात्पारा चौक होते हुए आजाद चौक की ओर बढ़ा।

नेहरूजी खुला गाढ़ी में खड़े थे जैसे ही जुलूस कुर्मी बोर्डिंग के पास पहुंचा, वैसे ही नेहरूजी ने हाथ हिलाकर जय हिंद।

दोनों हाथ जुड़े थे। लोगों ने देखा—‘डॉ-

बोले—‘कुर्मी बोर्डिंग के जाये होंगे।

कृष्ण वर्षों तक आपने क्या किया?

मैं नहीं जानता।

डॉ, बघेल को इससे पूर्व मैंने सनां 1960 दिसंबर में देखा था।

रायपुर में अखिल भारतीय कांग्रेस के महाधिवेशन में पण्डित जवाहरलाल नेहरू, गोविन्दललभ पंत, सुचेता कृपलानी, वैगृह शीर्षसंघ राजनेता आये हुए थे।

इंजीनियरिंग कालेज की नई बिल्डिंग में कांग्रेस सेवादल के स्वयंसेवकों का शिविर लगा था। पण्डित नेहरू के साथ राजनेताओं का जुलूस कांग्रेस भवन से तात्पारा चौक होते हुए आजाद चौक की ओर बढ़ा।

नेहरूजी खुला गाढ़ी में खड़े थे जैसे ही जुलूस कुर्मी बोर्डिंग के पास पहुंचा, वैसे ही नेहरूजी ने हाथ हिलाकर जय हिंद।

दोनों हाथ जुड़े थे। लोगों ने देखा—‘डॉ-

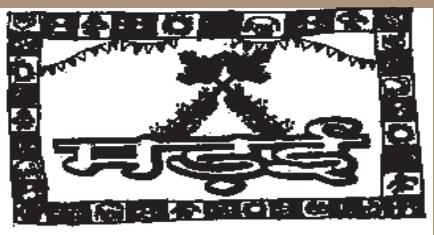
बोले—‘कुर्मी बोर्डिंग के जाये होंगे।

कृष्ण वर्षों तक आपने क्या किया?

मैं नहीं जानता।

डॉ, बघेल को इससे पूर्व मैंने सनां 1960 दिसंबर में देखा था।

रायपुर में अखिल भारतीय कांग्रेस के महाधिवेशन में पण्डित जवाहरलाल नेहरू, गोविन्दललभ पंत, सुचेता कृपलानी, वैगृह शीर्षसंघ राजनेता आये हुए थे।



कुंभ मेला के वैज्ञानिक कारण

भ मेला सनातन धर्म के बहुत बड़े तिहार कहे जा सकते। हमन येला स्थान-ध्यान, पूजा-पाठ, पाप-पुण्य से जोड़कर ही देखन। का सिरिफ पाप-पुण्य बर ही पूजा या कुंभ स्नान के महत्व हावय। अइसना सोच के हमन अपन धार्मिक महल उड़ हमर ऋषि परंपरा ल कमज़ोर करत हावन? हमर धर्म के हर मान्यता जिज्ञासन ले जुड़े हावय।

आज हमन समझ नह पात हन अउ न समझे के प्रायस घलो नह करत हन। कुंभ स्नान के घलो वैज्ञानिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, अउ अर्थिक कारण हावय। देश के सबो संस्कृत अउ सबो सामाजिकता के संगम होथे। सामाजिक सद्वाव अउ प्रेम के आदान-प्रदान होथे।

कुंभ मेला बर जगह के निर्धारण भु चुंबकीय ऊर्जा के आधार उपर करे गे हावय। आयोजन स्थल अउ समय दूनो ल पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र अउ ग्रह मन के स्थिति के आधार ऊपर निर्धारित करे जाथे। ये स्थान विशेष रूप ले नदी संगम क्षेत्र म होथे जेन ह आध्यात्मिक विकास बर अनुकूल मने जाथे।

प्राचीन ऋषि-मुन मन ये स्थान म ध्यान, तप, योग के हावय जेवर कारण इहां विशेष सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होवय। वैज्ञानिक दृष्टि ले देखेव त कुंभ मन्ये के शरीर ऊपर ग्रह अउ मैनेटिक क्षेत्र मन के प्रभाव ल समझे के बने समय होथे। गुरु सूर्य अउ चंद्रमा के विशेष संयोग पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र अउ ग्रह मन के स्थिति के चुंबकीय क्षेत्र ल प्रभावित करथे। गुरु ह बारह साल के परिक्रमा चक्र पूरा करथे। पृथ्वी के साथ ओखर जेन विशेष स्थिति होथे तेन ह कुंभ ल शुभ बनाथे। विशेष सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होथे।

जेन ह आने जेन हमन ल मन ल प्रभावित करथे।

ये खण्डीय संयोग के बेरा म कुंभ मन करे ले अध्यात्म अउ जिज्ञासन के मेल होथे। महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नोहय। ये ह प्राचीन भारत के वैज्ञानिक चिंतन अउ खण्डीय घटना के प्रतीक आये। सूर्य, चंद्रमा के गतिविधि के असर पृथ्वी ऊपर घलो परथे। ये बेरा म गंगाजी के जल विशेष विद्युतीय विकिरण ले भर जाथे। ये बेरा म वातावरण म पैदा होवडा सकारात्मक ऊर्जा ले इसान के दिमाग म अलका किरण के प्रभाव बाढ़ जाथे। अलग-अलग संस्कृत के मन्ये मन के मेल मिलाप होथे। हर मन पूण्य अउ पाप बर नह करे जाये। कुछ काम अहसे होथे जेखर ले हमन ल मनासिक शान्ति अउ सकारात्मक ऊर्जा मिलथे।

अपन आस्था अउ श्रद्धा ले भी जीवन ल सही दिशा, ऊर्जा, साहस अउ आत्मबल जस्त्र प्राप्त होथे चाहे कुंभ स्नान हो या फेर कोनो भी धार्मिक कार्य। जेसन हमर सोच होही विज्ञाने उर्जा बोहाही। नकारात्मक सोचबो त नकारात्मक ही दिखही सकारात्मक सोचबो त विचार अउ ऊर्जा के तेज प्रवाह मिलही।

पूरा विश्व के मन कुंभ के महत्व ल खोचत हावय। अउ हमन पाप-पुण्य में ही उत्तमे हावन। सुदृढ़ अध्यात्म ले मिलथे। इही जान ले युवा पौड़ी ल वैज्ञानिक सोच विकसित करना चाहाही। दूनो के तालमेल ले एक जान विचार विकसित होही जेन ह युवा ल निराशा ले उत्तराही।

इही वैज्ञानिक सोच ह प्रयागराज के महाकुंभ म विदेशी मन ल आकृति करत हावय। सब उंडा नहाय बर आवत हावय। दूसर धर्म के मन्ये मन भी स्नान करे बर अवत हावय। पूजा पाठ के नहाने फेर स्नान के महत्व होवत हावय। माघ पुन्नी के दिन तक आकाश ले अमृत के वर्षण होथे इही कारण आये के पुन्नी के दिन सून करे बर मन्ये मन उड़ परथे।

महाकुंभ के बढ़िया इतिहास, करोड़ो मनवे मन ल अपन डाहर बलावत हावय। रेल ले, कार ले सब जावत हें आठ, चार-पांच, कलोपीटर पैदल चल के भी नदियां तीर जावत हें। अब माझी मुत्री ले हमर विनेणी संगम राजिम म महाकुंभ मेला शुरु होगे हावय। महाशिवरात्रि तक चलने वाला कुंभ अब छत्तीसगढ़ म भी दिखही।

सुधा वर्मा

मांधी पुन्नी म लगथे डोंगापथरा म मेला

भी पुन्नी के दिन स्नान अउ दान के अडबड महत्व होथे। जम्मो पवरित नदिया तीर म इह दिन मेला भारथे। बछर भर ले मनवे मन ले अगोरा जोहत रहहे। लडका, सियान, बुद्धाव, जावन जम्मो जेन मेला धूमे ल आथे अउ अपन सगा-पहुना, संगी संगवारी ले भेंट-मुलाकत के तर संग म मेला धूमथे।

धमती ले तीन कोस के द्वारहा म हावय 'डोंगापथरा'-छत्तीसगढ़ के कोरा या म बसे बलविल मात के धाम धमती ले तीन कोस के द्वारहा म बसे देवपुर गाव। जिहां एकउ बड़ापथरा हवय जेन हर सिरकों के 'डोंगा' कस दिखेते। जेन म आस्था के एकठन कहिनी समाय हवय। डोंगा कस दिखते।

इही पथरा के डोंगा ल डोंगापथरा कहे जाथे अउ इही जगह ल डोंगेखर धाम के नाव ले जाने जाथे। ए जगह म डोंगापथरा के संग-संग, अने-अने समाज के एक दर्जन अउ मंदिर, हवय जेन हर आस्था के प्रतिक आय। माझी पुन्नी म हर साल इहां बिकट मेला भारथे। आस-पास अउ दूरदराज ले मनवे मन डोंगा पथरा के मेला जरूर आथे।

दर्जन भर हवय मंदिर-देवपुर के डोंगेखर धाम मंदिर परिसर म, डोंगापथरा मंदिर के संगेसंग पातालेश्वर महादेव मंदिर, निषाद समाज के रामजानकी मंदिर, यादव समाज के राधा-कृष्ण मंदिर, आदिवासी गोड़ समाज के बड़ादेव मंदिर, करव समाज के रामजानकी मंदिर, मानिकुरी समाज के कबीर मठ, विश्वकर्मा समाज के विश्वकर्मी मंदिर, साहू समाज के संत मां कर्मा मंदिर, जनजागरण समिति के दुर्गा मंदिर, आखड़ा समिति का हुमान मंदिर अउ कतकन मंदिर, मनवे मन डोंगा पथरा के पाल भवन।

इही पथरा के डोंगा ल डोंगापथरा कहे जाथे अउ इही जगह ल डोंगेखर धाम के नाव ले जाने जाथे। ए जगह म डोंगापथरा के संग-संग, अने-अने समाज के एक दर्जन अउ मंदिर, हवय जेन हर आस्था के प्रतिक आय। माझी पुन्नी म हर साल इहां बिकट मेला भारथे। आस-पास अउ दूरदराज ले मनवे मन डोंगा पथरा के मेला जरूर आथे।

आथा ले जुड़े कहिनी डोंगापथरा के पाल एकउत कहिनी समाय हवय। जेन हर लोगनमन ल आस्था ले जोड़थे, त आवत ले ल जनथन। मनवनदी के तिर म भवराह रहिस जेन ह रसदिया के तिर म बसे रहिस। नदिया तिर म एक ठन टीला रहिस जिहाम राजा के महल रहिस। बरसात के समय म महानदी म अब्ज़ा

भ मेला बर जेन हर लोगनमन ल आस्था ले जोड़थे, त आवत ले ल जनथन। मनवनदी के तिर म भवराह रहिस जेन ह रसदिया के तिर म बसे रहिस।

—प्रीतम कुमार साहू, गुरुजी लिमतरा, धमती

सुधा वर्मा

कांग्रेस के गढ़ में भारी मतों से भाजपा का कष्टा

बीजापुर, 22 फरवरी (देशबन्धु)। भोपालपटनम ब्लाक में जहां कांग्रेस का गढ़ माना जाता था वहां त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाजपा ने अपना परचम लहराते हुए भारी मतों से जीत हासिल की है। भाजपा ने कांग्रेस का सूपड़ा साफ़ करते हुए भारी मतों से विजय प्राप्त किए हैं जिला पंचायत क्रमांक 1 से आज तक भाजपा ने अपना खाता नहीं खोला था उस द्वाले के जनता ने पटखनी दे दी हैं दिग्गज नेता को पछाड़ते हुए भारी मत बटोरे हैं वही भोपालपटनम ब्लाक के दूसरी सीट मद्देह में भी भाजपा आई हैं वह चार प्रत्यासी मैदान में थे जनपद पंचायत के 10 सीटों में 8 भाजपा के कब्जे में हैं सरपंच पद के उम्मीदवार अधिकतम भाजपा सर्वप्रथम जीतकर आए हैं। उसरे ब्लाक के दिग्गज नेता व जिला पंचायत उपायक्षम रहे कमलेश काराम को भी जनता ने नकार हैं पासेड सीट में भी भाजपा काबिज हो गई हैं दोनों चरण के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दो चरणों के हुए मतदान में भाजपा के खाते में पांच सीट कांग्रेस के खाते में एक और एक निर्दलीय पर जीतकर हैं।

बीजापुर के भोपालपटनम और उसरे ब्लॉक में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जमकर बोट डले हैं। सेकंड पाली में हुए मतदान में नक्सल प्रभावित इलाकों में बुलेट पर भारी बैलेट पढ़ गया है। पिछले बार के मुकाबले इस बार ग्रामीणों ने जमकर बोट डाला है सुबह 5 बजे से ही पोलिंग भूतों में लंबी कतार लगी हुई थी



■ नक्सलगढ़ में बुलेट पर भारी पड़ गया बैलेट, जमकर हुआ मतदान
■ त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का रिकॉर्ड टूटा, 72.28 प्रतिशत मतदान

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का रिकॉर्ड टूटा
भोपालपटनम जनपद में 72.28 प्रतिशत मतदान हुआ है वही उसरे ब्लाक के जनपद पंचायत में 49.2 प्रतिशत मतदान हुआ है उसरे ब्लाक में पिछली बार

कांकेर, 22 फरवरी (देशबन्धु)। 22 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष महेश जैन व निर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी द्वारा नये बस स्टैंड कांकेर में सफाई अभियान चलाया गया जहां पहले शादूलगारक व पानी से धोकर बस स्टैंड जहां यात्री बैठते हैं उन्हें सफाई कि गई। सफाई अभियान सुबह 07 बजे से ही शुरू कर दी गई थी सफाई अभियान के तहत नवनिर्माण अध्यक्ष अरुण कौशिक ने कहा कि सफाई अभियान हमारे देश के प्रधानमंत्री आदर्शीय मोदी जी का अभियान है।



राजेन्द्र गौर, विजय लक्ष्मी कौशिक, अजय पपू मोटवानी, मोहन नाविक, शैलेन्द्र शोरी, योगेश साहू, ईंश्वर सिंह, नितिन दत्त, धनेश यादव, असिंध अली, बुज्योहन तिवारी, अविनाश नेगी, जितेन्द्र सिंह, मुरली लालवानी, श्रेष्ठ चौहान, प्रशांत यादव कीर्तनी पांडी अधिकारीयों के साथ साथ नगरपालिका कि टीम सच्चिता दीदी सभी बड़ी संख्या में इस सफाई अभियान में सहयोग बने।

कहा कि आज से हमें नगर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने कि ओर कदम बढ़ा दिया है और यहां सफाई अभियान लगातार चलता रहेगा भाजपा जिलाध्यक्ष महेश जैन ने कहा कि सफाई अभियान हमारे देश के प्रधानमंत्री आदर्शीय मोदी जी का अभियान है। जिसके तहत हम सभी मिलाकर जनता को जागरूक कर कांकेर शहर को एक मिलाकर सुस्थान शहर बनायेंगे एक सुन्दर शहर बनाने कि शुरूआत आज से हमने

कर दी है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष महेश जैन, नारपालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक, पूर्व विधायिका सुमित्रा मारकोले, पूर्व मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मर्टियार, पूर्व जिलाध्यक्ष हलाधर साहू, याजिव लोचन सिंह, मंडल अध्यक्ष दिव्या जैक, महामंत्री गुरुवर यादव, एक बैश्वर जैन, पार्षद उत्तम यादव, टिकेन्द्र ठाकुर, हिंदें खटवानी, चिक 1 स अं भोरे, उमेर्शी उड़इक, मीरा सलाम, चिररेखा जैन, शंकुलता जैन, मंजु सार थी, चिरे न्द्र साहू, सलाम मेंन, विरेंद्र जय श्रीवास्तव, उनके निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। जिला पंचायत सीईओ अविनाश थोई ने मतदान दलों को 22 फरवरी को जनपद पंचायत मुख्यालयों में मतदान सामग्री वितरण के पश्चात उनके निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर एसडीएम केशकाल अंकित चौहान उपस्थित है।

पुलिंग का समय समाप्त होने के बाद पोलिंग बूथों में लंबी कतार लगी हुई थी रात तक मतदाना लाइन में खड़े होकर अपना नता चुने हैं।

क्यों हारी कांग्रेस?

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कांग्रेस की हार का सबसे बड़ा कारण गुटबाजी रहा है कई जगह से कांग्रेस समर्पित दो-दो प्रत्याशी खड़े हुए हैं। कई नेता बागी होकर चुनाव के मैदान में उत्तर गए। वहां, दूसरी तरफ चुनावी मैदान में प्रत्याशी और लोगों से संपर्क साधने में कांग्रेस फोटो रही हैं उनके पास इस बार कोई रणनीति नहीं थी और भाजपा वालों ने रणनीति के तहत काम किया है।

भाजपा क्यों जीती

बीजेपी ने प्रत्याशियों को खड़ा करने के लिए गहरा मंथन किया है और इलाके में महिला को साथने के लिए कार्यक्रम में कोडे पाल एवं काइटपाल के सीमावर्ती गाँवों के भारी संख्या में स्थानीय लोग एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस

के साथ काम किया है।

महतारी वंदन योजना का असर

देखा गया है कि शहरी बोर्टस को आमतौर पर बीजेपी का बोर्ट माना जाता है। महतारी वंदन योजना का लाभ अधिकतर ग्रामीण महिलाओं कि हार होता है पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं वोट ज्यादे हैं वही महिला मतदानों ने बढ़-चक्रवर वोटिंग के लिए निकले। अधिकतर महिलाओं ने बीजेपी के पक्ष में वोटिंग की महिलाओं की एकत्रफा वोटिंग से बीजेपी को फायदा हुआ है।

जगदलपुर-कांकेर-नारायणपुर-बीजापुर-दंतेवाड़ा-कोडागांव

धर नक्सल प्रभावित इलाके में 214वीं वाहिनी सीआरपीएफ के सौजन्य से सिविक एक्शन कार्यक्रम

बीजापुर, 22 फरवरी (देशबन्धु)। बीजापुर जिले के 214वीं वाहिनी के रिपुब्लिक डॉलौली, कैम्प द्वारा के.डी. जोरी कमाण्डेन्ट के मानदंश्ट में जनकल्याणकारी योजना 2024-25 (सिविक एक्शन प्रोग्राम) के तहत 21/02/2025 दिन शुक्रवार को डी/214 समवाय कोडेपाल में सिविक एक्शन प्रोग्राम एवं जी/214 कोइतपाल में फोटो मेंडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। दोनों कार्यक्रम में कोडे पाल एवं काइटपाल के सीमावर्ती गाँवों के भारी संख्या में स्थानीय लोग एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस

एवं आम जनता के बीच आपसी प्रेम और सौहार्द कायम रख सकना वायम हो सके। डी/214 बटालियन कोडेपाल द्वारा स्थानीय ग्रामीण जन को उनकी जरूरत के अनुसार सार्वकाल, वाटररैंक, कम्बल, बर्तन, स्कूल बैग, शिक्षा सामग्री, सौलर लालटेन, चप्पल, यूनीफार्म, क्रिकेट किट बैग, वॉलीबाल एवं फुटबॉल इत्यादि सामग्री का वितरण किया गया। डी/214 बटालियन द्वारा आयोजित, फोटो मेंडिकल कैम्प में ग्रामीणों को फायदा करते हैं एवं बल्कि युवाओं को स्वस्थ और चर्चनात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित भी करते हैं।



गायत्री महायज्ञ में शामिल हुए विधायक चैतराम

पूजा-अर्चना कर मांगी क्षेत्र की समद्धि



दंतेवाडा, 22 फरवरी (देशबन्धु)। जिले के ग्राम पंचायत पाहरनार में गायत्री परिवार द्वारा 24 कुण्डीय महायज्ञ का आयोजन किया गया। विधायक चैतराम अटामी भी महायज्ञ में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा मंडल महामंत्री व ग्राम पंचायत कासोली-1 के नव निर्वाचित सरपंच शैलेश अटामी भी उपस्थित हुए। विधायक श्री अटामी ने महायज्ञ में शामिल होकर पूजा अंचना कर क्षेत्र की सुख एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान भाजपा मंडल महामंत्री व ग्राम पंचायत कासोली-1 के नव निर्वाचित सरपंच शैलेश अटामी ने महायज्ञ में शामिल होकर पूजा अंचना कर क्षेत्र की सुख एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान भाजपा मंडल महामंत्री व ग्राम पंचायत कासोली-1 के नव निर्वाचित सरपंच शैलेश अटामी ने महायज्ञ में शामिल होकर पूजा अंचना कर क्षेत्र की सुख एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान भाजपा मंडल महामंत्री व ग्राम पंचायत कासोली-1 के नव निर्वाचित सरपंच शैलेश अटामी ने महायज्ञ में शामिल होकर पूजा अंचना कर क्षेत्र की सुख एवं समृद्धि की कामना की।

मतदान दल उसाह के साथ निर्वाचन सामग्री लेकर रवाना हुए।

बिलाईंगढ़, 22 फरवरी (देशबन्धु)। कृषि प्रज जिले के ग्राम पंचायत बिलाईंगढ़ में मतदान दल सुबह से लेकर दोपहर तक अपने मतदान के साथ निर्वाचन सामग्री को प्राप्त कर निर्वाचन सामग्री का मिलान किया। उसके बाद दल सहित निर्धारित बस से अपने मतदान केंद्र में सकूल गये। इसके साथ दल बैलेट बैक्स, दस्तावेज, प्रपत्र आदि के मिलान के लिए उत्तराधिकारी ने उत्तराधिकारी के लिए निर्वाचन सामग्री को प्राप्त किया। इसके साथ दल बैलेट बैक्स, दस्तावेज, अटामी से आयोजित निर्वाचन सामग्री को प्राप्त किया। इसके साथ दल बैलेट बैक्स, दस्तावेज, अटामी से आयोजित निर्वाचन सामग्री को प्राप्त किया। इसके साथ दल बैलेट बैक्स, दस्तावेज, अट

कोई लगातार सात बार बना पंचायत प्रतिनिधि तो कई दिग्जों को करना पड़ा हार का सामना

सहसपुर लोहारा, 22 फरवरी (देशबन्धु)। पंचायतीराज से ग्राम राज की कल्पना की जाती है। जहाँ जनता अपने विकास का निर्णय खुद लेती है। पंचायतीराज के इस चुनाव में पंचायत का खेल चला। उससे पंचायत का चुनाव अब सबसे महंगा चुनाव बन गया है। पंचायत स्तर के चुनाव में सबसे ज्यादा रोचक मुकाबला सरपंच पद के चुनाव में देखें को मिला जहाँ कई दिग्जों को हार का सामना करने को मिला तो कई जो नेताओं ने माहौल देखकर चुनाव नहीं लड़ा उत्तिष्ठत समझा। ग्राम पंचायत दलसाटोला की नवनिर्वाचित सर पंच



विकास प्रहलाद साहू सातवां बार भी चुनाव जीतने में कामयाब बौहू और उनके पति प्रहलाद साहू लगातार बौहू हारे चुनाव जीते आ रहे हैं वो एक बार जनपद सदस्य एवं छः बार सरपंच पद पर चुनाव जीते चुके हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बामी में निविरोध सरपंच बने जाम बाई टोप सिंह सहसपुर तीन बार सरपंच बन गये। इसी प्रकार

काम का लोहा मनवाया है। वही ग्राम पंचायत कल्याणपुर में जमीला जमालूद्दिन, ग्राम पंचायत आम गांव में रेखाबाई गोपाल रजक, ग्राम पंचायत बिडोरा विनोद कुमार वर्मा, ग्राम पंचायत देहांडी से जीरवनिन उमेंदी पटेल लगातार दूसरी बार सरपंच बने में कामयाब रहे। जनपद सदस्य के चुनाव में अस्वस्थ चल रहे अशोक पटेल ने

से ग्राम पंचायत कुटकीपारा से परमिला देशनाथ साहू, ग्राम पंचायत विचारपुर से शिववती लक्ष्मीकांत वर्मा ने लगातार तीसरी बार सरपंच बनकर अपने पैरें, प्रौद्योगिक का खेल चला। उससे पंचायत का चुनाव अब सबसे महंगा चुनाव बन गया है। पंचायत स्तर के चुनाव में सबसे ज्यादा रोचक मुकाबला सरपंच पद के चुनाव में देखें को मिला जहाँ कई दिग्जों को हार का सामना करने को मिला तो कई जो नेताओं ने माहौल देखकर चुनाव नहीं लड़ा उत्तिष्ठत समझा। ग्राम पंचायत दलसाटोला की नवनिर्वाचित सर पंच

विकास प्रहलाद साहू सातवां बार भी चुनाव जीतने में कामयाब बौहू और उनके पति प्रहलाद साहू लगातार बौहू हारे चुनाव जीते आ रहे हैं वो एक बार जनपद सदस्य एवं छः बार सरपंच पद पर चुनाव जीते चुके हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बामी में निविरोध सरपंच बने जाम बाई टोप सिंह सहसपुर तीन बार सरपंच बन गये। इसी प्रकार

पंचायतों में 25 से 30 लाख की रकम खर्च की गई है जिससे जनता ने चुनावी पैसे का खबर आनंद उठाया। वही जिस प्रकार से इस चुनावों को लेट लतीफी, बदलतंजामी और लापरवाही के साथ निपटाया गया जो लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही जो सरकारी अमला के कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर देते हैं।

पंचायतों में इस बार कई

पंचायतों में इस बार कई

सशिम में दीक्षांत समारोह का किया गया आयोजन

थानखम्हरिया, 22 फरवरी (देशबन्धु)। सरस्वती और अनुशासन पाने का पवित्र मंदिर भी है। संस्था



प्रत्येक कदम का साथी होगा। सशिम में आयोजित विद्यार्थी यहाँ से विदा नहीं होता वह जीवन पर्यंत यहाँ से जुड़ा रहता है। व्यवस्थापक राकेश जोशी ने कहा कि सर्वोत्तम अंक लाने पूरा प्रयास करें किसी कारण अंक कम आ जाए तो निराश न हों अगली परीक्षा को तैयारी में जुट जाएं तथा पिछली कठिनों को दूर करें। पुरुष रुपरेश वर्मा ने आयोजन के अव्यवस्था को भी सुधारने की भी मांग की। नगरपालिका के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी ने शहरी के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आधासन दिया। उत्तर एवं संकायों को भी अनुभव साझा किया। अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। संचालन दिव्या शर्मा तथा निकिता चौधरी ने किया। इसके पूर्व दीप ग्रन्जिल के बारे भरत मारतामा, ऊं, मां सरस्वती की पूजा करने आयोजन का शुभाभंग किया गया। अतिथियों का भैया - बहिंहों ने पृष्ठ गुच्छ प्रदानकर तथा तिलक पटेल, मिथलेश यदु उपरिष्ठत रहे।

सिंधानिया, प्रतीक संघानिया, प्राचार्य लखनलाल साहू ने भी भैया - बहिंहों को मार्गदर्शन किया। गायत्री चौपै, सुमन साहू, साकेत साहू, भीमशंकर आदि ने विद्यालय के अपने अनुभव साझा किया। अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। संचालन दिव्या शर्मा तथा निकिता चौधरी ने किया। इसके पूर्व दीप ग्रन्जिल के बारे भरत मारतामा, ऊं, मां सरस्वती की पूजा करने आयोजन का शुभाभंग किया गया। अतिथियों का भैया - बहिंहों ने आयोजन की शुभाभंग किया। यह लोगों के जीवन का निर्णयक डाक्यूमेंट होगा। यह

प्रत्येक कदम का साथी होगा। सशिम में आयोजित विद्यार्थी यहाँ से विदा नहीं होता वह जीवन पर्यंत यहाँ से जुड़ा रहता है। व्यवस्थापक राकेश जोशी ने कहा कि सर्वोत्तम अंक लाने पूरा प्रयास करें किसी कारण अंक कम आ जाए तो निराश न हों अगली परीक्षा को तैयारी में जुट जाएं तथा पिछली कठिनों को दूर करें। पुरुष रुपरेश वर्मा ने आयोजन के अव्यवस्था को भी सुधारने की भी मांग की। नगरपालिका के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी ने शहरी के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आधासन दिया। उत्तर एवं संकायों को भी अनुभव साझा किया। अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। संचालन दिव्या शर्मा तथा निकिता चौधरी ने किया। इसके पूर्व दीप ग्रन्जिल के बारे भरत मारतामा, ऊं, मां सरस्वती की पूजा करने आयोजन का शुभाभंग किया गया। अतिथियों का भैया - बहिंहों ने पृष्ठ गुच्छ प्रदानकर तथा तिलक पटेल, मिथलेश यदु उपरिष्ठत रहे।

अदित्य तिवारी को कलेक्टर द्वारा जेईई में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए समानित किया गया

बे मे तरा, 22 फरवरी (देशबन्धु)। एलेन्स पब्लिक स्कूल (न्यू सैनिक स्कूल) के छात्र मास्टर अदित्य तिवारी को उनकी उत्कृष्टता अकादमिक उपलब्धि के लिए कलेक्टर कार्यालय से विशेष सम्मान के लिए आमंत्रित किया गया।

आदित्य ने जेईई में 99.7% अंक प्राप्त कर एक महानुपूर्ण उपलब्धि हासिल करने के बाद एवं गर्व के बलिये स्कूल के लिए एक अंक लाने पूरे स्कूल के लिए गर्व का ब्रह्म बनाया। उनकी कड़ी में नेंद्रन और समर्पण की सराहना करते हुए, माननीय कलेक्टर श्री रणधर शर्मा ने अदित्य को समानित किया।

इस अवसर पर, श्री शर्मा ने अदित्य की प्रतिबद्धा और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए, कहा, 'च्याहे आप कर भरे हो वह जीवन के लिए एवं संकल्पित हो तो हज़ारों तथा दोस्रों की देखादेखी विस्तृत होता है।' उनकी उत्कृष्टता के बाद एवं गर्व के बलिये स्कूल के लिए एक अंक लाने पूरे स्कूल के लिए गर्व का ब्रह्म बनाया।

इस अवसर पर, श्री शर्मा ने अदित्य को समानित किया। जो एलेन्स पब्लिक स्कूल (न्यू सैनिक स्कूल) और पूरे जिले के लिए एक अंक लाने के लिए गर्व का ब्रह्म बनाया।

ने एक विशेष समारोह में अदित्य को समानित किया।

इस अवसर पर, श्री शर्मा ने अदित्य की प्रतिबद्धा और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए, कहा, 'च्याहे आप कर भरे हो वह जीवन के लिए एवं संकल्पित हो तो हज़ारों तथा दोस्रों की देखादेखी विस्तृत होता है।'

उनकी उत्कृष्टता के बाद एवं गर्व के बलिये स्कूल के लिए एक अंक लाने पूरे स्कूल के लिए गर्व का ब्रह्म बनाया।

इस अवसर पर, श्री शर्मा ने अदित्य को समानित किया। जो एलेन्स पब्लिक स्कूल (न्यू सैनिक स्कूल) और पूरे जिले के लिए एक अंक लाने के लिए गर्व का ब्रह्म बनाया।

ने एक विशेष समारोह में अदित्य को समानित किया।

इस अवसर पर, श्री शर्मा ने अदित्य को समानित किया। जो एलेन्स पब्लिक स्कूल (न्यू सैनिक स्कूल) और पूरे जिले के लिए एक अंक लाने के लिए गर्व का ब्रह्म बनाया।

ने एक विशेष समारोह में अदित्य को समानित किया।

इस अवसर पर, श्री शर्मा ने अदित्य को समानित किया। जो एलेन्स पब्लिक स्कूल (न्यू सैनिक स्कूल) और पूरे जिले के लिए एक अंक लाने के लिए गर्व का ब्रह्म बनाया।

ने एक विशेष समारोह में अदित्य को समानित किया।

इस अवसर पर, श्री शर्मा ने अदित्य को समानित किया। जो एलेन्स पब्लिक स्कूल (न्यू सैनिक स्कूल) और पूरे जिले के लिए एक अंक लाने के लिए गर्व का ब्रह्म बनाया।

ने एक विशेष समारोह में अदित्य को समानित किया।

इस अवसर पर, श्री शर्मा ने अदित्य को समानित किया। जो एलेन्स पब्लिक स्कूल (न्यू सैनिक स्कूल) और पूरे जिले के लिए एक अंक लाने के लिए गर्व का ब्रह्म बनाया।

ने एक विशेष समारोह में अदित्य को समानित किया।

इस अवसर पर, श्री शर्मा ने अदित्य को समानित किया। जो एलेन्स पब्लिक स्कूल (न्यू सैनिक स्कूल) और पूरे जिले के लिए एक अंक लाने के लिए गर्व का ब्रह्म बनाया।

ने एक विशेष समारोह में अदित्य को समानित किया।

इ



लड़की- आदा देना भईया।
दुकानदार- हमारे पास पतंजलि का है बेटा।
लड़की- मुझे आशीर्वाद चाहिए।
दुकानदार- सदा सुखी रहे बेटा...

गरीबों को मिल रहा हक, कांग्रेस बौखलाई : विधायक रोहित साहू

राजिम/गरियाबांद, 22 फरवरी (देशबन्धु)। गरीबों को पक्का मकान और महिलाओं को घरों के बाहर योजना का लाभ मिलने से कांग्रेस घबरा गई है। नारीय निकाय और त्रिसत्रीय पंचायत चुनाव में करपी हार के बाद कांग्रेसियों की बौखलाई साफदिख रही है। कुछ कांग्रेसी शराब के नशे में अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

बीती रात चुनाव प्रचार के दौरान ऐसा ही का मामला सामने आया। राजिम विधायक रोहित साहू भाजपा समर्थन जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा कर रहे थे। इसी दौरान कुछ कांग्रेसी शराब के नशे में वहां पहुंचे और ग्रामीणों के सामने अभद्र भाषा में बात करने लगे। इस पर विधायक ने उन्हें कड़ी पटकार लगाई और कहा, नशे में उल्टी सीधी बात मत करो, सादे में बात करो।

राजिम विधानसभा में भाजपा ने नगरीय

निकाय और त्रिसत्रीय पंचायत चुनाव के पक्ष में कांग्रेस घबरा गई है। नारीय निकाय और त्रिसत्रीय पंचायत चुनाव में करपी हार के बाद कांग्रेसियों की बौखलाई साफदिख रही है। कुछ कांग्रेसी शराब के



भाजपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा के दौरान कुछ कांग्रेसी शराब के नशे में बात करने लगे अमर्यादित भाषा का प्रयोग

रोहित साहू ने कहा कि कांग्रेस हमेशा विकास विरोधी गांव के विकास में वाधा नहीं बनने देंगे। गांव का माहौल खराब करने की साजिश : विधायक साहू ने कांग्रेस पर

मोदी की गारंटी पूरी होने से गरीबों को

पक्के मकान मिल रहे हैं। माताओं-बहनों को महातरी बदन योजना के बहत हृष्ण महाने एक हजार रुपए मिल रहे हैं। इससे कांग्रेस परेशान है। कांग्रेस नहीं चाहती कि गांवों का विकास हो। इसलिए बीती रात कुछ कांग्रेसी शराब के नशे में हुक्कड़ करने पहुंचे थे। विधायक ने कहा कि ग्रामीण कांग्रेस परेशान है। विधायक रोहित साहू के बहकावे में न आएं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ऐसे लोगों को विकास कार्य की सौगत राजिम विधानसभा को मिली है। गांव-गांव में लाखों रुपए के विकास कार्य जारी हैं। इससे भाजपा और विधायक की लोकप्रियता बढ़ी है। इससे कांग्रेस को अपने अस्त्रित पर खतरा महसूस हो रहा है। कुछ कांग्रेसी अमर्यादित आचरण कर रहे हैं।

लगाया। कहा कि भाजपा के बड़ते जनाधार से कांग्रेस घबरा रहा है। वे गांव में अशांति फैलने की कोशिश कर रहे हैं। पर्व विधायक अमितेश शुक्ल अपने कार्यकर्ताओं के जरिये ऐसी हक्रते करवा रहे हैं।

भाजपा ने कहा कि विकास देखकर कांग्रेस परेशान, अमर्यादित व्यवहार उनका आचरण : इधर भाजपा नेताओं ने कहा कि राजिम विधानसभा में तो जी से हो रहे विकास कार्यों के देखकर कांग्रेस परेशान है। विधायक रोहित साहू के नेतृत्व में एक साल में कोरोना के विकास कार्य की सौगत राजिम विधानसभा को मिली है। गांव-गांव में लाखों रुपए के विकास कार्य जारी हैं। इससे भाजपा और विधायक की लोकप्रियता बढ़ी है। इससे कांग्रेस को अपने अस्त्रित पर खतरा महसूस हो रहा है। कुछ कांग्रेसी अमर्यादित आचरण कर रहे हैं।

अनियंत्रित कार ने ट्रैक्टर को ठोका, एक महिला की मौत

धमतरी, 22 फरवरी (देशबन्धु)। जेशनल हाईवे 30 पर विरेझर चौकी के अंतर्गत कोडेबोड़ गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि चा 10 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची विरेझर चौकी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार 22 फरवरी की दोपहर जगदलपुर से रायपुर की ओर जा रही कार कोडेबोड़ गांव में पहले एक बाइक से टकराई एवं अनियंत्रित होकर सड़क किनारे चल रहे ट्रैक्टर से जा टकराई। ट्रैक्टर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हासेसे में कार सवार महिला संध्या देवांगन (50 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार

में सवार अन्य लोग मनोज देवांगन उम्र 60 वर्ष, सुमित देवांगन पीता मनोज देवांगन उम्र 29 वर्ष, अमन देवांगन पीता मनोज देवांगन उम्र 24 वर्ष घायल हो गए। वहाँ ट्रैक्टर में सवार विक्रेता श्रीराम साहू पीता लतार्हा साहू 35 वर्ष, भुवनेश्वरी मरकाम पति कर्णवीया मरकाम उम्र 40 वर्ष, फुलामा बाई साहू पाती शिवदयाल साहू उम्र 60 वर्ष, लोकेश्वरी निर्मलकर पति देव निर्मलकर उम्र 35 वर्ष घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मिल देसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ उनका डॉक्टर जारी है। वहाँ माटरसाइकिल सवार व्यक्ति इश्वर तारक उम्र 60 वर्ष ग्राम बकली को भी चोटे आई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची विरेझर चौकी पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया।>> शेष पृष्ठ 9 पर

छत्रपति शिवाजी महाराज की मनाई गई जयंती लार्डबेडेन पावेल के जन्मदिन पर विचार गोष्ठी



भरूचाडीह/बलौदाबाजार, 22 फरवरी (देशबन्धु)। कुर्म मंगल भवन बलौदाबाजार में मातृभूमि के बीच सपूत्र छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। जहाँ कार्यक्रम का संचालन युवा अध्यक्ष रघुनंदन बघमार ने किया। वहाँ समाज के वरिष्ठ सदस्य जामवंत वर्मा ने जय-ध्वनी जय शिवाजी-के नारों के साथ उनकी जीवनी पर प्रकाश

अवसर पर संरक्षक नरसिंह वर्मा, नारा अध्यक्ष हेमंत टिकिरिहा, छात्रावास प्रभारी गोपेश बघमार, मिडिया प्रभारी महेश वर्मा, मनु वर्मा, भानुप्रताप वर्मा, कोमल वर्मा, देवेश वर्मा, राज वर्मा, गिरवर वर्मा, भिनेश्वर वर्मा, मनीष सिरमारे, राजेश वर्मा, माखन वर्मा, तिलक बघेल, किशोर वर्मा, तमेश्वर वर्मा, राजेन्द्र वर्मा और ईश्वर वर्मा आदि उपस्थिति थे।

महासमुद्र, 22 फरवरी (देशबन्धु)। रानी लक्ष्मीबाई गाइड दल अशिवाई गोलग्ढा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला महासमुद्र में स्कारडस्स एवं गाइडस संगठन के संस्थापक लाई बैंडन पावेल के जन्मदिन दिवस को विश्व चिंतन दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन गाइड दल प्रभारी लाता वैष्णव ब्लाक सचिव स्थानीय संघ के नेतृत्व एवं तुलेन्द्र सागर जिला मीडिया प्रभारी जिल सचिव एवं विद्यालय के शिक्षक स्टाफ व गाइड दल के साथ समस्त स्कूली विद्यार्थियों की उपस्थिति में सर्वप्रथम लाई बैंडन पावेल के चिन्ह पर माल्यांपण कर कार्यक्रम का शभारमध्य किया गया। विचार गोष्ठी कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए

तुलेन्द्र सागर ने बताया कि आज स्कारडिंग है। यह संगठन पूरे विश्व के 316 से अधिक के जनक लाई बैंड दल पावेल का जन्मदिन देशों में संचालित है जिसमें 10 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति इस संस्था का सदस्य हुए। जला वैष्णव गाइड द्वारा जैपिंग ने सभी कार्यक्रम के विचार रखते हुए आए। उन्होंने कहा कि आपका एक निश्चल मन से कह करहा हूं 1974 में आगे लक्ष्मीबाई गाइड दल के साथ विद्यालीयों के साथ गैंद राम प्रधान पाठक, शिक्षक स्टॉफ़ में श्रीमती चंचला गुप्ता, गायत्री खान, तुलेन्द्र साहू, श्री वही राव, गाइड दल नायिका नीतू चंद्रकार, तनु निर्मलकर आदि उपस्थिति रहे।

छत्तीसगढ़ ने प्रयागराज को किया हाइजैक : विशोकानंद महाराज

राजिम, 22 फरवरी (देशबन्धु)। आचार्य महामंडले श्री विशोकानंद महाराज ने छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया का नारा देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में माता कौशलया का जन्म हुआ है, यहाँ पर पिर से राजिम कुंभ प्रारंभ हुआ है। इसलिए हम यहाँ पर एक भावाना करें हैं कि प्रयागराज में जो कुंभ स्नान करके उपयोग करते हैं जो आज इहाने किया है। छत्तीसगढ़ ने प्रयागराज को हाइजैक करके यहाँ ले आए। उन्होंने आगे कहा कि आपका एक निश्चल मन से कह करहा हूं 1974 में आगे कहा कि लीर्थ प्रयागराज छत्तीसगढ़ नहीं आ सकता क्योंकि उनको जानकारी नहीं हुई जितनी अप्राप्ति है। परहला कुंभ हरिहर किया था। 1988 में महामंडले श्री विशोकानंद के निर्वाचित हैं उनको यहाँ पर क्या किया है। मेरे को वहाँ के 2025 के कुंभ से इहानी अपने राजिम के 2025 के कुंभ से मेरा मन जो गदगद हो गया।

प्रयागराज में जो कुंभ स्नान करके खुशी नहीं हुई जितनी अपने राजिम के 2025 के कुंभ से मेरा मन जो गदगद हो गया।

सफई दीदियों एवं मित्रों के पक्ष में निर्णय प्रदेश सरकार का स्वागत योग्य कदम : ऐतराम



कि हाल में सम्पत्र हुये नारीय निकाय चुनाव महासमुद्र के घोषणा पत्र में था कि स्वच्छ दीदियों को सासारणी जावेगा उक्त घोषणा सरकार ने तकाल लागू किया है। त्री साह ने बताया कि अब नारीय क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को सासाह में एक दिन अवकाश दिया जावा। 8 घण्टे से अधिक सेवा नहीं देना है। महिला में एक सी.एल. अवकाश भी प्राप्त होगा। ग्राम प्रवास के पोर्टल पर पंजीयन करकर श्रम विभाग के विभाग के विकास कार्यक्रम के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जावेगा। डो

बेर के खाद से बोर हुए कारोबारी

दूसरे प्रदेशों से नांगा नहीं, बांगलादेश को निर्यात बढ़ा

भाटापारा, 22 फरवरी (देशबन्धु)। बेर 1000 रुपए चिंटल। यह तब, जब नियर्यात बढ़ दें। राजस्थान की दिखा नहीं। सिए मध्य प्रदेश ही रुक्णान दिखा रहा है। अनिश्चित भविष्य को देखते हुए दूसरे बरस बेर संग्रहण और भंडारण से हाथ खींचने का मन बना रहे हैं, प्रदेश के बनोपज कारोबारी।

बेर में नई फसल की आवक शुरू हो चली है लेकिन बेर से बरस का भरपूर भंडारण और कमज़ोर मांग को देखते हुए वनोपज बाजार खीरीदी को लेकर अनिच्छुक है। पहली कोशिश बीते बरस की उपज के निपटान की है। इस बीच मध्य प्रदेश के बेर पाउडर बनाने वाली इकाईयों की हल्की मांग का निपटानी नजर आ रही है।

बंद है नियर्यात: बांगलादेश एकमात्र ऐसा उपयोक्ता क्षेत्र है, जो छत्तीसगढ़ से बेर की बड़ी मांग में खीरीदी करता है लेकिन इसने बीते दो बरस से छत्तीसगढ़ से बेर की खीरीदी कंटल की थी। अचार बनाने के लिए खीरीदी करने वाले राजस्थान ने इस बरस नई फसल को लेकर पूछताछ तो की हुई है लेकिन खीरीदी को



आगे भी नियर्यात बढ़ रहने के बने हुए हैं।

इसलिए बेर के कारोबारियों ने नई फसल की खीरीदी से फिलहाल हाथ खींच रहे हैं।

राजस्थान नहीं दिखा रहा रुचि: बीते

लेकर रुक्णान नहीं दिखा रहा है। इसलिए भी छत्तीसगढ़ में बेर संग्रहण गति नहीं ले पा रहा है। संभवना आगे भी ऐसे ही बने रहने की है।

एकमात्र मध्य प्रदेश ही: मध्य प्रदेश का छतरपुर। यहां सूखे बेर से पाउडर बनाने वाली कई इकाईयाँ हैं, जो अंतरप्रांतीय कारोबार करती हैं। इसकी ही खीरीदी निकली हुई है। लेकिन बनोपज बाजार इस मांग की मात्रा को पर्याप्त नहीं मान रहा है। इसलिए संग्रहण की बजाय भंडारित उपज के निपटान के प्रयास किया जा रहा है। जब तक यह काम पूरा नहीं हो जाता, तब तक नई फसल में खीरीदी नहीं करने की योजना है।

संग्रहण का विचार नहीं: भाव भले ही जेतजेते लेकिन खीरीदी की जैसी स्थिति बनी हुई है, उसे देखते हुए नई फसल की खीरीदी का विचार नहीं है। पहली कोशिश बीते बरस की भंडारित उपज के विचार की है।

- सुभाष अग्रवाल

एसपी इंडस्ट्रीज, रायपुर

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े ही हष्ठोल्लास के साथ मनाई गई

भाटापारा, 22 फरवरी (देशबन्धु)।

छ. ग. प्रदेश कुनबी समाज महासंगठन छत्तीसगढ़ की जिला शाखा भाटापारा में 19 फरवरी को कुनबी भवन में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े ही हष्ठोल्लास के साथ मनाई गई।



हर माँकों अपने बच्चों को, छत्रपति शिवाजी महाराज की काहानी बताकर उन्हें प्रदर्शित करने की प्रेरणा देना चाहिए। साथ महाराष्ट्र से आयी कुम्ह भुवनेश्वरी मुनेश्वर ने शिवाजी महाराज के इतिहास को जानकारी दिए हैं।

तदपश्च नगर पालिका अध्यक्ष को समाज की ओर से छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के साथ शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में कुनबी समाज के साथ वार्ड के लोग उपरिक्षत अधिकारी शमा जी, उन नवनिर्वाचित स्टेशन वार्ड की पार्षद श्रीमाती लक्ष्मी बाई टाकुर, जी उपस्थित हुए। साथ ही कुनबी समाज के प्रदेश अध्यक्ष रंजित भाऊ मुनेश्वर जी विशेष रूप से उपस्थित हुए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष जी द्वारा, छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए। उनके पदचारीहों पर चलतक समाज संगरित करने पर जोर दिया है।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्घोषन में, छत्रपति शिवाजी महाराज चौथी जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलाने की हेतु उपस्थित हुए। साथ ही कुनबी समाज के विचार अध्यक्ष द्वारा किया गया। इसके संघर्षों को याद करते हुए कहा की

प्रभारी हेमत बहेकार जी ने किया है।

संत समागम में लगा पंडोखर राजिम कुंभ कल्प के मुख्य मंच पर बरसी संतों की अमृतवाणी सरकार का दिव्य दरबार



सैकड़ों श्रद्धालुओं की समस्याओं का किया समाधान

राजिम, 22 फरवरी (देशबन्धु)। राजिम कुंभ कल्प मेला के संत समागम स्थल पर पंडोखर सरकार का दिव्य दरबार 21 फरवरी से प्रारंभ हो गया है। यह दरबार 25 फरवरी तक दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक लगाया जा रहा है। 22 फरवरी तक दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक लगाया जा रहा है। इस दौरान पंडोखर सरकार के गुरुशरण महाराज के भक्तों और समस्याओं के समाधान बताया जाएगा।

दरबार शुरू होने से पहले मंच पर बालाजी महाराज की पूजा अर्चना कर उनकी आरती की गई। भक्तों और शिष्यों ने दिव्य दरबार में उपस्थित होकर अपनी जिज्ञासाओं और समस्याओं के समाधान पाया। इस दौरान पंडोखर सरकार के गुरुशरण महाराज के भक्तों की समस्याओं को सुनकर उसका समाधान बताया जाएगा।

दरबार शुरू होने से पहले मंच पर बालाजी महाराज की पूजा अर्चना कर उनकी आरती की गई। भक्तों और शिष्यों ने दिव्य दरबार में उपस्थित होकर अपनी जिज्ञासाओं और समस्याओं के समाधान बताया जाएगा। इस दौरान पंडोखर सरकार के गुरुशरण महाराज के भक्तों की समस्याओं को सुनकर उसका समाधान बताया जाएगा।

दरबार शुरू होने से पहले मंच पर बालाजी महाराज की पूजा अर्चना कर उनकी आरती की गई। भक्तों और शिष्यों में काफी उत्साह है। उनके दर्शन और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भक्तों की भीड़ दरबार में पहचर हो रही है। भक्त अपनी समस्याओं को लेकर अपनी बारी का इंतजार करते रहते हैं।

शहरी क्षेत्र के प्रत्येक गरीब परिवारों को आवास योजना का लाभ दें सरकार : विनोद हथनीपारा वार्ड से भाजपा

राजिम, 22 फरवरी (देशबन्धु)। पंडोखर सरकार का दिव्य दरबार 21 फरवरी से प्रारंभ हो गया है। यह दरबार 25 फरवरी तक दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक लगाया जा रहा है। 22 फरवरी तक दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक लगाया जा रहा है। इस दौरान पंडोखर सरकार के गुरुशरण महाराज के भक्तों की समस्याओं को सुनकर उसका समाधान बताया जाएगा।

दरबार शुरू होने से पहले मंच पर बालाजी महाराज की पूजा अर्चना कर उनकी आरती की गई। भक्तों और शिष्यों में काफी उत्साह है। उनके दर्शन और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भक्तों की भीड़ दरबार में पहचर हो रही है। भक्त अपनी समस्याओं को लेकर अपनी बारी का इंतजार करते रहते हैं।

शहरी क्षेत्र के प्रत्येक गरीब परिवारों को आवास योजना का लाभ दें सरकार : विनोद हथनीपारा वार्ड से भाजपा

राजिम, 22 फरवरी (देशबन्धु)। पंडोखर सरकार का दिव्य दरबार 21 फरवरी से प्रारंभ हो गया है। यह दरबार 25 फरवरी तक दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक लगाया जा रहा है। 22 फरवरी तक दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक लगाया जा रहा है। इस दौरान पंडोखर सरकार के गुरुशरण महाराज के भक्तों की समस्याओं को सुनकर उसका समाधान बताया जाएगा।

दरबार शुरू होने से पहले मंच पर बालाजी महाराज की पूजा अर्चना कर उनकी आरती की गई। भक्तों और शिष्यों में काफी उत्साह है। उनके दर्शन और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भक्तों की भीड़ दरबार में पहचर हो रही है। भक्त अपनी समस्याओं को लेकर अपनी बारी का इंतजार करते रहते हैं।

शहरी क्षेत्र के प्रत्येक गरीब परिवारों को आवास योजना का लाभ दें सरकार : विनोद हथनीपारा वार्ड से भाजपा

राजिम, 22 फरवरी (देशबन्धु)। पंडोखर सरकार का दिव्य दरबार 21 फरवरी से प्रारंभ हो गया है। यह दरबार 25 फरवरी तक दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक लगाया जा रहा है। 22 फरवरी तक दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक लगाया जा रहा है। इस दौरान पंडोखर सरकार के गुरुशरण महाराज के भक्तों की समस्याओं को सुनकर उसका समाधान बताया जाएगा।

दरबार शुरू होने से पहले मंच पर बालाजी महाराज की पूजा अर्चना कर उनकी आरती की गई। भक्तों और शिष्यों में काफी उत्साह है। उनके दर्शन और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भक्तों की भीड़ दरबार में पहचर हो रही है। भक्त अपनी समस्याओं को लेकर अपनी बारी का इंतजार करते रहते हैं।

शहरी क्षेत्र के प्रत्येक गरीब परिवारों को आवास योजना का लाभ दें सरकार : विनोद हथनीपारा वार्ड से भाजपा

राजिम, 22 फरवरी (देशबन्धु)। पंडोखर सरकार का दिव्य दरबार 21 फरवरी से प्रारंभ हो गया है। यह दरबार 25 फरवरी तक दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक लगाया जा रहा है। 22 फरवरी तक दोपहर